नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

चीन में प्रधानमंत्री की आतंकवाद के खिलाफ गर्जना

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो तेवर दिखाए, वह भारत की अडिग नीति और वैश्विक राजनीति के लिए साफ संदेश है. मोदी ने आतंकवाद को शांति और स्थिरता का सबसे बड़ा दुश्मन बताया और कहा कि इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस के अलावा कोई रास्ता नहीं है.

प्रधानमंत्री का यह स्वर महज औपचारिकता नहीं था, बल्कि आतंकवाद को पनाह देने वालों पर सीधा प्रहार था .उन्होंने पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले का जिक्र कर कहा कि यह हमला सिर्फ भारत पर नहीं बल्कि पूरी मानवता पर चोट है. मोदी का सवाल था–क्या दुनिया चुपचाप देखती रहेगी, जबकि कुछ देश खुलेआम आतंकवाद को शह देते हैं ?

यह सवाल दरअसल उन ताकतों पर तीखी चोट है, जो आतंकवाद को रणनीतिक संपत्ति मानकर इस्तेमाल करते हैं.भारत ने अपने अनुभव से दुनिया को यह सच दिखा दिया है कि आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक संकट है. मुंबई से पुलवामा तक, भारत ने बार-बार इसकी पीड़ा झेली है. यही कारण है कि मोदी जब आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो उसमें पीड़ा के साथ संकल्प भी झलकता है.

भारत की नीति साफ है,आतंकवाद के लिए कोई समझौता नहीं. मोदी सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के जरिए यह साबित भी किया है कि भारत केवल चेतावनी नहीं देता, बल्कि निर्णायक कार्रवाई भी करता है. आज दुनिया भारत की इस नीति को गंभीरता से सुन रही है, क्योंकि यह खोखले नारे नहीं बल्कि जमीनी हकीकत से उपजे शब्द हैं.

मोदी का यह कहना कि आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद हर देश की शांति और समृद्धि के लिए खतरा हैं, वर्तमान वैश्विक स्थिति पर सटीक टिप्पणी है. उन्होंने एससीओ जैसे मंच को उसकी जिम्मेदारी भी याद दिलाई. इस संगठन में एशिया की बड़ी ताकतें शामिल हैं, और यदि यही देश आतंकवाद पर सख्त कदम नहीं उठाएंगे, तो फिर कौन उठाएगा ?

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने संबोधन में यूक्रेन संकट का मुद्दा उठाया, लेकिन मोदी का जोर आतंकवाद पर था. यह दिखाता है कि भारत की प्राथमिकता साफ है–दुनिया में शांति और स्थिरता तभी संभव है, जब आतंकवाद की जड़ें पूरी तरह काटी जाएं . भारत का यह दृष्टिकोण न केवल दक्षिण एशिया बल्कि पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है.

दरअसल, मोदी ने दुनिया को आईना दिखा दिया है. अब अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को तय करना है कि वह आतंकवाद के खिलाफ खड़ी होती है या फिर उसे परोक्ष समर्थन देने वालों की ढाल बनी रहती है. भारत ने अपना रास्ता चुन लिया है. जीरो टॉलरेंस अब सिर्फ नारा नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय नीति है.

शंघाई सम्मेलन ने साबित कर दिया है कि भारत अब किसी भी मंच पर आतंकवाद का मुद्दा उठाने से पीछे नहीं हटेगा. मोदी का भाषण दुनिया के लिए चेतावनी भी था और प्रेरणा भी. उन्होंने साफ कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लंबी जरूर है, लेकिन भारत पीछे हटने वाला नहीं. सवाल अब बाकी देशों से है कि क्या वे भी इस लड़ाई में उतनी ही गंभीरता दिखाएंगे, जितनी भारत दिखा रहा है ? बहरहाल, खास बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की मौजूदगी में खुलेआम पहलगाम हमले के बहाने पाकिस्तान पर निशाना साधा. प्रधानमंत्री की चीन यात्रा दुनिया की जिओ पॉलिटिक्स के मद्देनजर एक टर्निंग प्वाइंट साबित हो रही है. भारत, रूस और चीन की तिकड़ी ने अमेरिका और पश्चिमी देशों के समक्ष एक नया शक्तिशाली समीकरण खड़ा किया है.दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जिस प्रखरता के साथ आतंकवाद के खिलाफ मोर्चा खोला, वो पाकिस्तान और उसके सरपरस्त अमेरिका के लिए खास तौर पर चेतावनी है.

बीजिंग से पुन : संबंधों में सावधानी जरूरी

यह आवश्यक है कि दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं भारत व चीन ग्लोबल आर्थिक स्थिरता के लिए आपस में मिलकर काम करें. लेकिन यह संबंध एक दूसरे के हितों व संवेदनाओं पर आधारित होना चाहिए, मोदी एससीओ सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन के थियैनचीन में हैं.

भारत चीन से मतभेद कम करने व संबंध सामान्य करने के प्रयासों के बावजूद बीजिंग के आक्रामक व विस्तारवादी रवैव्ये का विरोध करता रहेगा, ताकि हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में नियम आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था बनी रहे. यह क्वाड दृष्टिकोण के भी अनुरूप है, जिसके सम्मेलन की मेजबानी इस साल भारत करेगा. चीन की पिछली हरकतों को ध्यान में रखते हुए द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में भारत साम, दाम, दंड, भेद नीति अपनाते हुए फूंक-फूंककर कदम रख रहा है. मोदी और जिनपिंग की पिछली मुलाकात अक्टूबर 2024 में हुई थी. मोदी के अनुसार, तब से दोनों देशों के बीच चस्थिर व सकारात्मकज प्रगति हुई है और भारत चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को दीर्घकालीन योजना के साथ आगे बढ़ाना चाहता है. भारत यह भी चाहता है कि दिल्ली व बीजिंग मतभेदों को विवाद न बनने दें. लेकिन क्या चीन पर भरोसा किया जा सकता है?

दिल्ली ने बीजिंग को स्पष्ट इशारा दे दिया है कि अब मूल्यांकन केवल शब्दों पर नहीं बल्कि एक्शंस के आधार पर होगा. अगर भारत को फिर से रेवर अर्थ मैग्नेट्स, टनल बोरिंग मशीन व विशेष खाद निर्यात नहीं किये गए, तो स्पष्ट हो जायेगा कि चीन की नीयत संबंध बेहतर करने की नहीं है. चीन इन चीजों के निर्यात को आसानी से खोल व बंद कर देता है. इसलिए हमारे उद्योगों को इस सिलसिले में सतर्क रहना चाहिए और अन्य सप्लाई मार्ग भी खुले रखने चाहिए, इस तथ्य को अनदेखा नहीं किया जा सकता कि चीन भरोसेमंद दोस्त नहीं है और बीजिंग ग्लोबल स्तर पर तो बहुध्रुवीय संसार बनाने पर कार्य कर रहा है, लेकिन एशिया को वह अपने अधीन एकध्रुवीय बनाना चाहता है.

मोदी 7 वर्ष बाद चीन गए हैं. उनकी पिछली दो यात्राएं उनके पहले कार्यकाल में 2018 में थीं पहली जिनपिंग से वुहान में अनौपचारिक वार्ता के लिए और बाद में वह किंगडाओ में शंघाई को-ऑपरेशन आर्गेनाइजेशन सम्मेलन के लिए गए थे. उन यात्राओं के बाद से ब्रह्मपुत्र में बहुत पानी बह चुका है. गलवान संकट के दौरान भारत व चीन के संबंध बद से बदतर ही हुए थे. पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीनी सेना ने यथा-स्थिति को बदलने का प्रयास किया था, जिसमें सैनिकों की जानें गई

थीं. दिल्ली इसे माफ कर सकती है, लेकिन भूल नहीं सकती. इस बीच अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी जबरदस्त उथल-पुथल हुई है, विशेषकर ट्रम्प की भड़काऊ बातों और भारत के विरुद्ध टैरिफ युद्ध छेड़ने से. जिनपिंग का भी चीन पर पहला सा नियंत्रण नहीं रहा है, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उन्हें चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर से गंभीर चुनौती मिल रही. भारत-चीन सीमा पर स्थिति काफी हद तक नियंत्रित हो गई है कि सेनाएं फ्रंटलाइन पोजीशन से पीछे हट गई हैं, लेकिन तनाव कम नहीं हुआ है और सेनाएं शांति के समय की लोकेशन पर नहीं लौटी हैं. सीमा प्रबंधन को पेट्रोलिंग समझौतों व बफर जोन बनाकर पुनर्गठित किया गया है. हाल ही में चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत की यात्रा पर थे. उनकी बातों से ऐसे संकेत मिले थे कि चीन भी भारत के साथ व्यापार, वाणिज्य, सियासत, सेना व सीमा मामलों पर वार्ता करने का इच्छुक है.

✍ नौशाबा परवीन

मालवा- निमाड़ की डायरी

सांसद रोत के प्रभाव पर अंकुश लगाने डामोर एक्टिव

संजय व्यास

अंचल के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) के प्रसार में लगे राजस्थान के सांसद राजकुमार रोत के प्रभाव पर अंकुश लगाने के लिए भाजपा ने पूर्व रतलाम-झाबुआ सांसद गुमान सिंह डामोर को एक्टिव कर दिया है. उन्हें भील समाज में पैठ बनाने और एकजुट रखने का दायित्व मिला है. उल्लेखनीय है कि भारतीय

आदिवासी पार्टी ने गत विधान सभा चुनाव में अंचल की सैलाना विधान सभा सीट (विधायक कमलेश्वर डोडियार) जीतकर चौंकाने के साथ प्रदेश विधान सभा में प्रवेश का खाता खोल लिया था. इसके बाद से बाप के हौंसले बुलंद है और राजकुमार रोत पिछले कुछ समय से अलग भील प्रदेश के लिए अंचल में सक्रिय हैं. पार्टी विस्तार की दृष्टि से कई कार्यक्रमों में शिरकत कर चुके हैं. वे आगे पांव पसारे उसके पहले भाजपा सतर्क हो गई है. सौंपी गई जिम्मेदारी पर आगे बढ़ने के लिए गुमान सिंह डामोर ने भील महासंध मप्र के बैनर तले रणनीतिक कार्य शुरू कर दिए हैं. विगत दिनों उन्होंने बतौर भील महासंध अध्यक्ष धार में भील समाज का सम्मेलन आयोजित किया. इसमें विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों के साथ भील समाज के भविष्य और संगठन की नई रणनीति पर चर्चा की गई. मकसद संगठन को जमीनी स्तर पर और मज़बूत बनाना रहा. इसके लिए योग्य और समर्पित व्यक्तियों को संगठन की ज़िम्मेदारी सौंपने, समाज के शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक-आर्थिक उत्थान की बात भी हुई और समाज की एकजुटता पर भी जोर रहा. हालांकि बैठक में सभी पार्टियों के लोग शामिल रहे, मगर डामोर अपने लक्ष्य के अनुसार समाज बंधुओं में अपनी पकड़ बनाने में कामयाब रहे.

स्कूल के साथ गांवों का भविष्य भी मर्ज..!

सरकार ने सांदीपनी विद्यालय में विद्यार्थियों की तय क्षमता का लक्ष्य पूरा करने के लिए आसपास के स्कूलों को बंद कर सांदीपनी में मर्ज करने का फैसला ले तो लिया, पर इससे ऐसे बच्चों के भविष्य पर बन आई है जो गांव छोड़कर वहां पढ़ने जाने में असमर्थ हैं. ये बच्चे पढ़ने के साथ परिवार के कामों में हाथ भी बंटाते है. दूर पढ़ाई के लिए जाने से समय जाया होगा. कई बच्चे ऐसे हैं, जिनके परिवार आर्थिक तंगी में हैं और बमुश्किल पालक स्कूल भेज पाते हैं. स्कूल दूर हो जाने से उनकी पढ़ाई छूटने का भी अंदेशा है. मंदसौर सहित सीतामऊ, सुवासरा, गरोठ, भानपुरा एवं अन्य तहसील में भी लगातार मर्ज अभियान शुरू हो सकते हैं. सांदीपनी विद्यालय (सीएम राइज स्कूल) से पाँच किलोमीटर की परिधि में स्थित सरकारी स्कूलों को बंद कर उनके छात्रों को जबरन सांदीपनी विद्यालय (सीएम राइज स्कूल) में मर्ज करने का फैसला उन सभी जगह हो रहा है, जहाँ स्कूलों की लक्ष्य पूर्ति नहीं हुई है. इन स्कूलों के मर्ज करने से ग्रामीण इलाकों के सरकारी स्कूल भवन वीरान हो जाएंगे. सीतामऊ के लदुना स्थित सांदीपनी विद्यालय में 1500 छात्रों की क्षमता है, जिसमें से लगभग 1135 का एडमिशन पहले ही हो चुका है. अब पाँच किलोमीटर के दायरे के अन्य छात्रों को जोड़ने पर क्षमता पूरी हो जाएगी, लेकिन सवाल यह है कि अगर कोई बच्चा अपने गाँव के सरकारी स्कूल में पढ़ना चाहे तो वह नहीं हो पाएगा. उसे पाँच किलोमीटर दूर के ग्रामीण क्षेत्र से आना-जाना पड़ेगा.

अंतत : सज्जन को जिम्मेदारी मिली

2023 के विधानसभा चुनाव में अपनी परंपरागत सोनकच्छ विधान सभा सीट हारने के बाद से पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा को पार्टी कोई बड़ी जिम्मेदारी देने से हिचकती रही. इससे उनका दबदबा प्रभावित हो रहा था. हाल ही में उनके कार्यक्षेत्र देवास जिले में करीबी शहर अध्यक्ष मनोज राजानी को पुनः अध्यक्ष न बनवा पाना भी उनकी पार्टी में हो रही ढीली पकड़ की ओर इशारा था. अब उनके लिए उत्साह की खबर आई है. उन्हें पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है. कांग्रेस ने उन्हें झारखंड राज्य का नया पर्यवेक्षक बनाया है. जहां वह अन्य पर्यवेक्षकों के साथ कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान की जिम्मेदारी संभालेंगे. माना जा रहा है कि सज्जन सिंह वर्मा को यह जिम्मेदारी देने में राहुल गांधी की भी सहमति रही है. सज्जन सिंह वर्मा कमलनाथ के खास व पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और वह दिग्विजय सिंह और कमलनाथ सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं.

क्या 30 दिनों में जमानत मिलना संभव?

विपक्ष का मानना है कि यदि एनडीए सरकार ने संविधान (130वां संशोधन) विधेयक को संसद में पारित करवा लिया तो भारत की हालत बेलारूस, बांग्लादेश, कंबोडिया, कैमरून, म्यांमार, निकारागुआ, पाकिस्तान, रूस, रवांडा, यूगांडा, वेनेजुएला, जाम्बिया, जिम्बाब्वे जैसे देशों के समान हो जाएगी जहां विपक्षी नेताओं को जेल भेज देना सामान्य बात है. इस संविधान संशोधन विधेयक में प्रावधान है कि ऐसे गंभीर मामले में जिसमें 5 वर्ष या ज्यादा की सजा हो सकती है, गिरफ्तार किए जाने पर कोई मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री अगर 30 दिनों तक जेल में रहता है तो उसे अपना पद खोना पड़ेगा. वह जेल से सरकार नहीं चला पाएगा.

वास्तविकता क्या है? किसी भी मामले की जांच 30 दिन में पूरी नहीं होती और आरोपपत्र भी दाखिल नहीं होता, अपराध सिद्ध नहीं होता और मुकदमा भी नहीं चलता. सजा तो होती ही नहीं. ऐसे में 31वें दिन उस मंत्री का पद छीन लिया जाएगा और उस पर गुनहगार की मुहर लगा दी जाएगी. देखा जाता है कि किसी भी पुलिस कर्मी के पास वारंट हो या न हो, किसी व्यक्ति पर दखल पात्र गुनाह (कॉग्निजेबल ऑफेंस) करने की शंका होने पर उसे गिरफ्तार कर सकता है. न्यायमूर्ति वीआर कृष्ण अय्यर ने च्जमानत नियम है और जेल अपवाद है, का सिद्धांत दिया था लेकिन निचली अदालतें जमानत देने के मामले में उदासीन देखी जाती हैं. हाईकोर्ट भी पहली सुनवाई में जमानत मंजूर नहीं करता. मामला चलने में किसी न किसी वजह से विलंब होता है जिस कारण 60 से 90 दिन में जमानत मिल पाती है. 2014 के बाद विपक्ष के 12 मंत्री जमानत नहीं मिलने की वजह से जेल में थे.

लोकसभा में एनडीए की ताकत 543 सदस्यों में से 293 और राज्यसभा में 245 सदस्यों में से 133 है. विपक्ष के लोकसभा में 250 तथा राज्यसभा में 112 सदस्य हैं. सभी विपक्षी पार्टियां एनडीए के खिलाफ नहीं हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

किसान भी बना लें भजन मंडल मिल जाएगा नोटों का बंडल

पड़ोसी ने हमसे कहा, चनिशानेबाज, चलिए हम लोग जल्दी से अपनी भजन मंडली बना लेते हैं. यह बड़े फायदे का सौदा है. इसमें देर नहीं करनी चाहिए. लगता है हमें खेती छोड़कर च्भजन मंडलज स्थापित करना पड़ेगा. हमने कहा, च्भजन श्रद्धापूर्वक और उत्साह-उमंग के साथ किया जाता है. उसमें फायदा-नुकसान कहां से आ गया?

पड़ोसी ने कहा, चनिशानेबाज, महाराष्ट्र सरकार भजन मंडलों पर मेहरबान हो उठी है. उसने प्रत्येक भजन मंडल को 25,000 रुपए इस तरह साढ़े चार करोड़ रुपए बांटे हैं. यह रकम वापस करने की जरूरत नहीं है. चलिए हम भी अपना भजन मंडल बनाकर उसका रजिस्ट्रेशन करवा लेते हैं. आखिर भजन की लागत या कॉस्ट भी तो निकालनी होगी. जब भजन होंगे तो चाय, जलपान का इंतजाम करना होगा. तबला, ढोलक, झांझ, मंजीरे, हारमोनियम भी लगेंगे. माइक और साउंड सिस्टम भी बढ़िया लगाना पड़ेगा. इन बातों को समझते हुए सरकार भजन मंडलों को आर्थिक मदद दे रही है. इसलिए तुरंत हम लोग आसपास के लोगों को बुलाकर

भजन मंडल की कार्यकारिणी बना लेते हैं. आप अध्यक्ष बन जाइए और हम महासचिव बन जाते हैं. कोई जांच करने आया तो दिखाने के लिए किराए पर सारा सामान और म्युजिकल इंस्ट्रूमेंट मंगवा लेंगे. पंडाल लगाने वाला अपना दोस्त भी ऐसे मौके पर काम आएगा.

हमने कहा, यह सब तो ठीक है पर भजन गाना किसे आता है? क्या मोबाइल पर भजन लगाकर साथ-साथ गाने से काम चल जाएगा? प्रैक्टिस करते-करते हम लोग सीख जाएंगे.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, सरकार जानती है कि भूखे भजन ना होई गोपाला ! इसी वजह से भजन मंडलों को आर्थिक सहायता दे रही है. हम तो कहते हैं कि किसानों को भी आत्महत्या करने की बजाय गांव-गांव में अपनी देवाभाऊ भजन मंडली बना लेनी चाहिए. उनके मंडल को 25,000 रुपए का फंड सांस्कृतिक मंत्रालय से मिल जाएगा. हम अपने मंडल का नाम लाडला भजन मंडल रख लेते हैं. ऐसा करने से जल्दी ग्रैंट मिल जाएगी. इस बार गणपति उत्सव में 100 रुपए में 4 आइटम वाला आनंदाचा शिधा नहीं मिला तो शायद दिवाली में मिल जाएगा. सरकार के घर देर है, अंधेर नहीं है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12010
- डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	4	■	5	6
7		■	8		9	■	
■	■	10				11	■
12				■	13		14
	■	15		16	■	17	
18	19		■	20	21	■	
■		■	22				
23				■		■	■

बाएं से दाएं
1. संकट का समय 5. व्यसन, चसका, प्रबल इच्छा 6. पेंदा, निचला भाग 8. मांगने की क्रिया, मांगना, प्रार्थना करना (सं) 10. आत्मीयता 12. हल्ला, शोरगुल 13. सास की माता 15. छोटा मटका 17. प्राण, सांस 18. सौ का समूह 20. अल्प, थोड़ा 22. जिसके सामने या बीच में रहने पर भी उस पार की वस्तु दिखाई दे सके 23. उजाड़ जगह, सुनसान मैदान, जंगल (उर्दू)

ऊपर से नीचे
1. साधु, सज्जन, धर्मात्मा 2. आने वाला या बीता हुआ दिन 3. क्रांतिकारी परिवर्तन, एक शरीर या रूप को दूसरे शरीर या रूप में पलटना 4. लचकना 6. हत्या, वध (उर्दू) 9. किसी वस्तु या स्थान की लंबाई-चौड़ाई निश्चित करना, मापना 10. मूर्ख (उर्दू) 11. पति की बहन 12. प्रयत्न, प्रयास, चेष्टा 14. समर्थन करने वाला 16. बबूल नामक वृक्ष 19. रूई आदि का भरा वह थैला जो सोने के समय सिर के नीचे रखते हैं 21. सहायता 22. घूंट-घूंट करके किसी द्रव्य पदार्थ को गले के नीचे उतारना, पीना, तांबूल

Solution 12009

कि	ट	कि	टा	ना	■	भा	ख
ल	ख	न	■	श	रा	र	त
ना	ना	■	सू	पा	■	ना	रा
■	■	आ	र	ती	■	य	■
मू	ल	भू	त	■	नौ	क	र
ल्य	■	ष	■	र	सा	■	क्का
वा	र	ण	■	म	द	र	सा
न	थ	■	सु	ना	र	■	■

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में आर्थिक योजनाओं में सुधार होगा, मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, वर्ष के मध्य में भाईयों के सहयोग से शत्रु पक्ष परास्त होगा, वाहन पशु आदि से लाभ होगा, आर्थिक क्षेत्र में कमी केकारण योजनायें वाधित होंगी, परिश्रम की अधिकता रहेगी, प्रियजनों के कारण कार्यों में हानि हो सकती है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों का वाहन पशु आदि का लाभ प्राप्त होगा, भाईयों के सहयोग से शत्रु पक्ष परास्तहोगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक योजनाओं में वृद्धि होगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी,मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को वाणी कठोरता के कारण विवादों का सामना करना पड़ सकता है, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आर्थिक कार्यो में योजनायें वाधित होंगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को आर्थिक मामलों में सावधानी रखकर कार्य करना हितकर रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को यात्र में हानि हो सकती है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान चंचल और मिलनसार होगा. क्रोधी निडर और निर्णय के मामले में निपुण होगा. प्रत्येक कार्य अपने तरीके से पूर्ण करने वाला निष्ठा एवं लगन से कार्य करेगा. माता पिता का आदर करने वाला होगा. देश विदेश की यात्रा करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

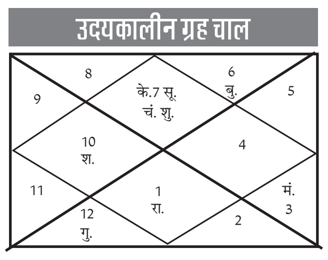

पंचांग

रा.मि. 11 संवत् 2082 भाद्रपद शुक्ल दशमीं भौमवासरे रात 12/49, मूल नक्षत्रे रात 8/15, प्रीति योगे दिन 4/13, तैतिल करणे सू.उ. 5/45 सू.अ. 6/15, चन्द्रचार धनु, शु.रा. 9,11,12,3, 5,7 अ.रा. 10,1,2,4,6,8 शुभांक- 2,4,8.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद शुक्ल दशमीं को मूल नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, धानु, नीलम, मोती, पुखराज, उड़द, घी, अलसी, तिल, गुड़, खांड़, कपास के भाव में वृद्धि होगी. वायदा विचार आज 11 बजकर 1 मिनिट से 18 मिनिट से 25 मिनिट के रूख पर व्यापार लाभकारी रहेगा. भाग्यांक 5736 है.

मेष- श्रम प्रयास से अभीष्ट कार्यो की पूर्ति होगी. शुभ संदेश मिलेगा. लाभदायक महत्वपूर्ण कार्य बनेगा. नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी. साहस रहेगा.

वृषभ- मतभेद दूर होने से रिश्ते मजबूत होंगे. आकस्मिक धन लाभ होगा. कार्यो की अधिकता रहेगी. विशिष्टजनों से संपर्क लाभदायक रहेगा.

मिथुन- इच्छित सफलता के लिये कार्य योजना में बदलाव संभव. आत्म विश्वास एवं मनोबल बना रहेगा. पारिवारिक यात्रा सुखद एवं आनन्ददायक रहेगी.

कर्क- आलस्य उदासीनता और कामकाज के प्रति अरूचि रहेगी. दैनिक कार्य में बाधा उत्पन्न होगी. प्रियजनों से विवाद हो सकता है, वैवाहिक चर्चा होगी.

सिंह- मदद मिलने से कामकाज की राह आसान होगी. व्यापार व्यवसाय में सफलता मिलेगी. मांगलिक कार्यों में खर्च होगा. प्रवास आदि का योग है.

कन्या- व्यापारिक कार्यों में लगन, उत्साह बना रहेगा. प्रयास सफल होगा. मन में प्रसन्नता रहेगी. मनोनुकूल कार्य बनेगा. परिश्रम सार्थक होगा.

तुला- मानसिक अस्थिता रहेगी. लेखन अध्ययन कार्य में बाधा उत्पन्न होगी. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा. अनावश्यक विवाद को टालना हितकर रहेगा.

वृश्चिक- भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी. संपत्ति विवाद में सफलतापूर्वक कार्य बनेगा. राजकीय कार्यों में यश एवं कीर्ति प्राप्त होगी.

धनु- रूके कार्य बनने का योग है. आत्म विश्वास और मनोबल बना रहेगा. बना काम बिगड़ सकता है. आर्थिक योजनाओं की रूपरेखा बनेगी.

मकर- पारिवारिक वातावरण अनुकूल रहेगा. सुख सम्मान एवं यश कीर्ति की प्राप्ति होगी. प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार हैं.

कुम्भ- मानसिक सुख एवं प्रसन्नता रहेगी. मनोरंजन, भ्रमण, आमोद प्रमोद, के अवसर आयेंगे. लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी. धार्मिक कार्यो में खर्च होगा. राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी.

मीन- जमीन जायजाद संबंधी कामकाज बनेगा. व्यवसायिक समस्याओं का निदान होगा. मन की बात मित्रों से कह दें, इससे तनाव कम होगा.

SUDOKU 7142

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7141

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1